चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.5.23	2	1-3

एचएयू के 25 स्टूडेंट्स 14 हजार फीट ऊंचे हम्पटा पास ट्रेकिंग के लिए रवाना

2 जून तक कैंप, 15 छात्र और 10 छात्राओं के दल को वीसी ने झंडी दिखाई

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 स्टूडेंट्स का दल बुधवार को वीसी प्रो. बीआर काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। वीसी ने स्टूडेंट्स के दल को झंडी दिखाकर रवाना किया।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएगा, जहां एचएयू के पर्वतारोहण क्लब के स्टूडेंट्स का समूह वहां के किसानों व आम लोगों से रूबरू होकर कृषि और सतत् जीवन शैली का अध्ययन करेंगे। विद्यार्थियों का दल सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में जानकारी ले करेंगे। यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। एचएयू के स्टूडेंट्स के दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं हैं। डॉ. संजय भ्यान और डॉ. सुभाष थोरी इस समूह का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्य के जीवन में प्रकृति का बहुत महत्व है क्योंकि ये ही हमें जीने का तरीका सिखाती हैं। हिमाचल प्रदेश में 14 हजार फीट की ऊंचाई पर हिमालय में हम्पटा पास है, जहां पर जाना हर एक पर्वतारोही का सपना होता है। पर्वतारोहण क्लब के प्रेजिडेंट डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि खेल के क्षेत्र में हरियाणा की अपनी एक अलग पहचान है। साथ ही, माउंटेन स्पोर्ट्स में भी हरियाणा राज्य का नाम उभरकर आ रहा है। विद्यार्थियों

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.5.23	3	1-3

विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हकृवि के 25 विद्यार्थियों का दल हम्पटा पास ट्रैकिंग के लिए हुआ रवाना

हिसार, 24 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का दल बुधवार को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएंगे और वहां के किसानों व आम लोगों से रूबरू होकर कृषि और सतत् जीवन शैली का अध्ययन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विद्यार्थियों का दल सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में गहनता से जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। डॉ. संजय भ्यान और डॉ. सुभाष थोरी ने बताया कि दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.5.23	2	1-2

एचएयू के 25 विद्यार्थियों का दल हम्पटा पास ट्रैकिंग के लिए रवाना

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना करते। पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का दल बुधवार को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। कुलपति ने विद्यार्थियों के दल को झंड़ी दिखाकर रवाना किया व शुभकामनाएं दी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएंगे, जहां एचएयू के पर्वतारोहण क्लब के विद्यार्थियों का समूह वहां के किसानों व आम लोगों से रूबरू होकर कृषि और सतत् जीवन शैली का अध्ययन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विद्यार्थियों का दल सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में गहनता से जानकारी प्राप्त करेंगे।

उन्होंने बताया कि यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं है। डा. संजय भ्यान और डा. सुभाष थोरी इस समूह का नेतृत्व कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.5.23	3	7-8

एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

एचएयू के 25 विद्यार्थियों का दल हम्पटा पास ट्रैकिंग हेतु रवाना

हिसार, 24 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का दल बुधवार को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों के दल को झंड़ी दिखाकर रवाना किया व शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएंगे, जहां एचएयू के पर्वतारोहण क्लब के विद्यार्थियों का समूह वहां के किसानों व आम लोगों से रूबरू होकर कृषि और सतत् जीवन शैली का अध्ययन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा विद्यार्थियों का दल सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में गहनता से जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं है। डॉ. संजय भ्यान और डॉ. सुभाष थोरी इस समूह का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्य के जीवन में प्रकृति का बहुत महत्व है क्योंकि ये ही हमें जीने का तरीका सीखाती है। आज मनुष्य के पास जो भी संसाधन है सभी प्रकृति की ही देन है। प्रकृति के कारण ही मनुष्य का जीवन चक्र चलता है। उन्होंने बताया कि इस पर्वतारोहण दौरे से विद्यार्थियों को प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य को देखने से शांति, संघर्ष, गरिमा, रचनात्मकता, दयालुता, उम्मीद व उत्कर्ष जैसे गुणों का धारण करने की प्रेरणा मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25.5.23	4	1-2

25 विद्यार्थियों का दल ट्रैकिंग के लिए रवाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का दल कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों के दल को झंड़ी दिखा रवाना किया। विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए छत्रु तक जाएगा। यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं शामिल हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	25.5.23	1	7-8

एचएयू के 25 छात्रों का दल हम्पटा पास ट्रेकिंग को रवाना

हिसार। एचएयू के 25 विद्यार्थियों का दल बुधवार को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने दल को झंडी दिखाकर रवाना किया। दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएंगे व किसानों से रूबरू होकर कृषि व सतत जीवन शैली का अध्ययन करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.05.2023		

एचएयू के 25 विद्यार्थियों का दल कुल्लू के हम्पटा पास ट्रेकिंग के लिए हुआ रवाना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों का दल बुधवार को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के मार्गदर्शन में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हम्पटा पास के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा विद्यार्थियों के दल को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

विद्यार्थियों का दल मनाली से पर्वतारोहण शुरू करते हुए जोबरा, छीखा, ज्वारा बालू का घेरा, हम्पटा पास, शिया गोरु और छत्रु जाएंगे, जहां एचएयू के पर्वतारोहण क्लब के विद्यार्थियों का समूह वहां के किसानों व आम लोगों से रूबरू होकर कृषि और सतत् जीवन शैली का अध्ययन करेंगे। इसके अलावा विद्यार्थियों का दल सुदूर घाटी में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, विभिन्न औषधीय पौधों, पर्यावरण सहित अन्य विषयों के बारे में गहनता से जानकारी प्राप्त करेंगे। यह टूर 24 मई से 2 जून तक रहेगा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दल में 15 छात्र और 10 छात्राएं है। डॉ. संजय भ्यान और डॉ. सुभाष थोरी इस समूह का नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस पर्वतारोहण दौरे से विद्यार्थियों को प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य को देखने से शांति, संघर्ष, गरिमा, रचनात्मकता, दयालुता, उम्मीद व उत्कर्ष जैसे गुणों का धारण करने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही उन्हें प्रकृति से निष्काम भाव से काम करने की भी सीख मिलेगी। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 14 हजार फीट की ऊंचाई पर हिमालय में हम्पटा पास है, जहां पर जाना हर एक पर्वतारोही का सपना होता है। पर्वतारोहण क्लब के प्रेजिडेंट डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि खेल के क्षेत्र में हरियाणा की अपनी एक अलग ही पहचान है। साथ ही माउंटेन स्पोर्टस में भी हरियाणा राज्य का नाम उभरकर आ रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.5.23	3	5-6

हकृवि में शिक्षा नीति पर संगोष्ठी आज

हिसार, 24 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 'भविष्य के स्वर्णिम भारत के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व' विषय पर 25 मई को प्रात: 11:00 बजे एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षण प्रकल्प तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के द्वारा किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित होंगे।इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर चर्चा की जाएगी, ताकि लोगों को नई शिक्षा नीति के बारे में अवगत करवाया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	25.5.23	9	1

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी आज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में भविष्य के स्वर्णिम भारत के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व पर 25 मई एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.05.2023		

हकृवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी का आयोजन 25 को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में 'भविष्य के स्वर्णिम भारत के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व विषय पर 25 मई को प्रातः 11 बजे एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्चशिक्षण प्रकल्प तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के द्वारा किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में श्री रवि कुमार, संगठन मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली उपस्थित रहेंगे। इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर चर्चा की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.5.23	4	6-8

भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में भी सहायक है ग्वार की फसल

ग्वार की किस्म पूसा मौसमी, सदाबहार, नवबहार की जुलाई अंत तक करें बुवाई

भास्कर न्यूज | हिसार

ग्वार एक बहुउद्देशीय दलहनी फसल है। यह मुख्य रूप से सब्जी, बीज, हरा चारा, हरी खाद एवं ग्वार गम के रूप में उपयोग होती है। ग्वार की फसल भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ाती है। मई के अंतिम सप्ताह से लेकर जून, जुलाई में ग्वार की उन्नत किस्मों की बुवाई कर अधिक उपज ले सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि ग्वार कम वर्षा और विपरित परिस्थितिओं वाली जलवायु में भी आसानी से उगाई जा सकती है। सब्जी विज्ञान विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. अर्चना ने बताया कि पूसा मौसमी, पूसा सदाबहार, पूसा नवबहार तथा दुर्गा बाहर ग्वार की सब्जी के लिए उन्नत किस्म है। पूसा नवहार दोनों मौसमों वर्षा व ग्रीष्म ऋतु के लिए उपयुक्त है। ग्रीष्म ऋतु में बिजाई के 45 दिन बाद और वर्षा ऋतु में 55 दिन बाद फलियां शुरू हो जाती हैं। पूसा सदाबहार प्रकाश निष्प्रभावी किस्म है। इसको वर्षा ऋतु तथा बसंत ऋतु दोनों में उगाया जाता है।

एक एकड़ की बिजाई के लिए 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि ग्रीष्मकालीन फसल के लिए फरवरी-मार्च तथा वर्षाकालीन फसल के लिए

इसकी बिजाई जून-जुलाई में की जाती है। 1 एकड़ की बिजाई के लिए 6 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बिजाई के लिए 30-45 सेंटीमीटर लाइन से लाइन का फसला तथा 15-20 सेंटीमीटर पौधे से पौधे का फसला रखा। 1 एकड़ के लिए 4-6 टन गोबर की गली सड़ी खाद व 12 किलोग्राम नाईट्रोजन तथा 20 किलोग्राम फॉस्फोरस की आवश्यकता होती है। ग्रीष्म ऋतु में वर्षा ऋतु में आवश्यकता अनुसार सिंचाई कर फलियों की तुड़ाई कोमल और पूर्ण विकसित अवस्था में करनी चाहिए। यह बुआई के 50-60 दिन में तोड़ने लायक हो जाती है, नर्म, कच्ची और हरी फलियों की तुड़ाई 4 से 5 दिन के अंतराल से नियमित रूप में करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.5.23	4	1-4

भास्कर खास • हिसार के घिराय निवासी कुलदीप ने 18 महिलाओं समेत 22 लोगों को रोजगार दिया हुआ है

इलेक्ट्रीशियन की नौकरी छोड़कर खीरे, तरबूज व खरबूजे की खेती की, अब 16 एकड़ में जैविक विधि अपना सालाना 15 से 20 लाख रुपए कमा रहे

महबूब अली | हिसार

हिसार के घिराय गांव निवासी कुलदीप बूरा ने इलेक्ट्रीशियन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2012 में जैविक तरीके से 1 एकड़ में खीरे, तरबूज व खरबूजे की खेती शुरू की थी। अब वह 16 एकड़ में खेती कर सालाना 15 से लेकर 20 लाख रुपए कमा रहे हैं। उनका खीरा, तरबूज, खरबूज हिसार सहित कई जिलों की मंडियों में सप्लाई होता है। 18 महिलाओं समेत कुल 22 लोगों को भी कुलदीप ने रोजगार दिया हुआ है। कुलदीप ने भास्कर के साथ अपने अनुभव सांझा किए।

दिल्ली की मंडियों तक मांग, 200 से अधिक किसानों को दे चुके टिप्स

वर्ष 2012 से पहले बिजली इलेक्ट्रीशियन की नौकरी करता था। मुझे खेती-बाड़ी का शौक था। शौक-शौक में मैंने गांव में ही अपनी 1 एकड़ जमीन में खीरे, तरबूज, खरबूजा की खेती शुरू की। मुनाफा हुआ धीरे-धीरे यह खेती 16 एकड़ में शुरू कर दी। तरबूज, खरबूजा हरियाणा के रोहतक, हिसार, भिवानी, सिरसा, जींद, कुरुक्षेत्र, सोनीपत के अलावा दिल्ली की मंडियों में सप्लाई किया जाता है। यही नहीं 200 से अधिक किसानों को भी खेती-बाड़ी के निशुल्क टिप्स दिए हैं।

-कुलदीप बूरा, प्रगतिशील किसान हिसार

हिसार का प्रगतिशील किसान कुलदीप बूरा।

परिवार ने साथ दिया

कुलदीप ने बताया कि कई बार शुरुआत में खेती-बाड़ी में काफी नुकसान हुआ। मगर परिवार के लोगों के साथ रहने, उनके हौसला बढ़ाने के कारण मैंने हिम्मत नहीं हारी और खेती-बाड़ी जारी रखी।

सही ढंग व वैज्ञानिक तरीके से खेती-बाड़ी कर किसान अधिक आमदनी ले सकता है। एचएयू किसानों को ट्रेनिंग व जागरूक कर रहा है।

- प्रोफेसर बीआर कांबोज, कुलपति, एचएयू हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.5.23	4	7-8

खेती के साथ मधुमक्खी पालन से दोहरा लाभ लें किसान, युवा भी स्वरोजगार के रूप में अपनाएं

एचएयू में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में किसानों को दिए गए आय बढ़ाने के टिप्स

भास्कर न्यूज | हिसार

मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जहां शहद मिलता है वहीं मधुमक्खियां परागण क्रिया से फसलों की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक हैं। किसान मधुमक्खी पालन से दोहरा लाभ ले सकते हैं व बेरोजगार युवा स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रदेश स्तरीय मधुमक्खी पालन पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षार्णियों को यह टिप्स दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मधुमक्खी पालन पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि बढ़ती महंगाई के कारण कृषि उत्पादन की लागत बढ़ रही है तथा अकेले कृषि व्यवसाय से घर कर गुजारा चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। किसानों के लिए आमदनी बढ़ाने के लिए बेहतर फसल प्रबंधन के साथ-साथ कृषि आधारित अन्य व्यवसायों को अपनाना आवश्यक हो गया है। मधुमक्खी पालन ऐसा ही एक लाभदायक व्यवसाय है। बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ बेरोजगारी की समस्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है इसलिए बेरोजगार युवा भी मधुमक्खी पालन को अपनाकर अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं।

फसलों की पैदावार बढ़ाने में अहम भूमिका

मधुमक्खी पालन से हमें शहद व दूसरे पदार्थ जैसे मोम, पराग आदि तो मिलते हैं साथ ही मधुमक्खियां परागण क्रिया से फसलों की पैदावार को भी कई गुणा बढ़ाकर किसानों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाती हैं।